दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स बिहार

मई (संग्रह)

2022

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
फोन: 8750187501
ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

बिहार **3**

- बिहार में विराट रामायण मंदिर का निर्माण प्रारंभ 3
- बिहार में पक्षी गणना के आँकड़े जारी 3
- 'ऑपरेशन प्रहार' 4
- वैशाली के रितिक आनंद ने ब्राजील में जीता गोल्ड 4
- देश के पहले पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का शिलान्यास 4
- फिलो पोर्टल का शुभारंभ 5
- महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामलों में बिहार का दूसरा स्थान 5
- मशरूम उत्पादन में देश में नंबर 1 राज्य बना बिहार 6
- बिहार इन्वेस्टर समिट, 2022 6
- पटना में 15 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले भवनों का होगा विद्युत सुरक्षा ऑडिट 7
- गया का नाम 'गयाजी' रखने का प्रस्ताव पास 7
- गिराई जाएगी पटना कलेक्ट्रेट की 350 साल पुरानी इमारत 7
- बिहार की सभी ग्राम पंचायतों की होगी अपनी वेबसाइट 8
- ई-संजीवनी पोर्टल 8
- बिहार में लागू होगी ई-विधान प्रणाली 9
- बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति (वस्त्र व चर्म), 2022 9
- बिहार के दो स्थानों पर बनेगा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट 9
- बिहार सरकार ने दी जमुई ज़िले में देश के सबसे बड़े सोने के भंडार की खोज़ की अनुमति 10
- बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन 10

नोट :

बिहार

बिहार में विराट रामायण मंदिर का निर्माण प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

3 मई, 2022 को अक्षय तृतीया के अवसर पर पूर्वी चंपारण के केसरिया प्रखंड स्थित कैथवलिया में आचार्य किशोर कुणाल द्वारा विराट मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।

प्रमुख बिंदु

- टावर ऑफ टैंपल्स की परिकल्पना के आधार पर विराट रामायण मंदिर का निर्माण किया जाएगा। इसमें 15 शिखर होंगे, जिसमें सबसे ऊँचा शिखर 270 फुट ऊँचा होगा।
- मंदिर के आगे शिवलिंग स्थापित होगा। उसके पीछे भगवान राम की पूजा करने की मुद्रा वाली मूर्ति तथा दाहिनी ओर हनुमानजी की झुकी हुई मुद्रा में मूर्ति स्थापित की जाएगी।
- इन मूर्तियों के सामने 200 फीट की दूरी पर अशोक वाटिका जैसा माता सीता का मंदिर निर्मित होगा।
- गौरतलब है कि मंदिर का भूमिपूजन 21 जून, 2012 को किया गया था। यहाँ विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित होगा, जिसका निर्माण कन्याकुमारी के ब्लैक ग्रेनाइट से किया जाएगा।

बिहार में पक्षी गणना के आँकड़े जारी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार सरकार द्वारा राज्य में पहली बार अयोजित पक्षी गणना के आँकड़े जारी किये गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- फरवरी 2022 में शुरू की गई यह गणना बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वेटलैंड इंटरनेशनल संस्था के सहयोग से करवाई गई है।
- इस गणना के अनुसार राज्य के कुल 68 जलाशयों में पक्षियों की 202 प्रजातियाँ पाई गई हैं। इन पक्षियों की कुल संख्या 45,173 है।
- इनमें से 80 प्रजातियाँ जलीय पक्षियों की है, जिनमें लैसर ह्विस्लिंग डक, एशियन ओपेन बिल्ड स्ट्रोक, लिटिल कोर्मोरेंट तथा कॉमन कूट गढ़वाल आदि शामिल हैं।
- गणना के अनुसार जलीय पक्षियों का वितरण निम्न प्रकार है-
- गोगाबील झील (4973) > इंद्रपुरी बैराज (2641) > नागा-नकटी डैम (2430)
- इसके बावजूद पक्षियों की संख्या के मामले में राज्य के मगध प्रमंडल की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, उदहारण के लिये कुलमहादेव डैम में मात्र 3, जबकि सीता डैम में 24 पक्षी मिले हैं।

नोट :

'ऑपरेशन प्रहार'

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में गंभीर आपराधिक घटनाओं में शामिल अभियुक्तों के साथ शराबबंदी कानून का उल्लंघन करनेवालों की गिरफ्तारी के लिये चलाये जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पुलिस ने अप्रैल में 8,859 गिरफ्तारी की हैं।

प्रमुख बिंदु

- इसके तहत एंटी-लिकर टास्क फोर्स (एएलटीएफ) ने 1.59 लाख लीटर शराब बरामद कर इसमें संलग्न लोगों को गिरफ्तार किया है।
- पुलिस मुख्यालय के आदेश पर गंभीर आपराधिक घटनाओं में शामिल अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिये ज़िला स्तर पर 67 वज्र टीम तथा प्लाटून का गठन किया गया है।
- एएलटीएफ के द्वारा गिरफ्तारी के मामले में 397 लोगों की गिरफ्तारी के साथ मुज़फ्फरपुर ज़िला सबसे आगे रहा, जबकि 298 गिरफ्तारी के साथ सारण दूसरे और 294 गिरफ्तारी के साथ मोतिहारी तीसरे स्थान पर रहा।
- गौरतलब है कि बिहार मद्यनिषेध व उत्पाद अधिनियम को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मार्च 2022 में इसमें संशोधन किया गया है, जिसके प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित हैं-
- इस संशोधन के तहत 2016 के मूल कानून में परिवर्तन करते हुए अब शराब पीते हुए पकड़े जाने पर जुर्माना देकर छोड़ने का प्रावधान किया गया है। हालाँकि, जुर्माने की रकम अदा कर छूट जाना अभियुक्त का अधिकार नहीं होगा।
- साथ ही, अगर कोई व्यक्ति शराब या मादक द्रव्य के प्रभाव में पाया जाता है तो उसे तुरंत गिरफ्तार कर नज़दीकी कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।
- यदि शराब की थोक बरामदगी किसी ऐसे अस्थायी परिसर से होती है, जिसे सीलबंद नहीं किया जा सकता है तो कलक्टर के आदेश से ऐसे परिसर को ध्वस्त किया जा सकता है।

वैशाली के रितिक आनंद ने ब्राजील में जीता गोल्ड

चर्चा में क्यों ?

5 मई, 2022 को बिहार के रितिक आनंद ने ब्राजील में आयोजित 24वें समर डेफ बैडमिंटन ओलंपिक में भारत के लिये स्वर्ण पदक प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- रितिक आनंद ने ब्राज़ील में आयोजित 24वें समर डेफ बैडमिंटन टूर्नामेंट के टीम इवेंट में देश का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया है।
- गौरतलब है कि रितिक आनंद ने चीन में आयोजित वर्ल्ड डेफ बैडमिंटन चैंपियनशिप, 2019 में अंडर-19 बॉयज डबल और मिक्स डबल में दो सिल्वर मेडल प्राप्त किये थे।
- ऑल इंडिया स्पॉर्ट काउंसिल ऑफ द डेफ की ओर से 24वें समर डेफ बैंडमिंटन प्रतियोगिता के लिये चयनित खिलाड़ियों में रितिक आनंद, रोहित भाकर, अभिनव, आदित्य यादव गौरांशी, जेर्लिन तथा श्रेया सिंगला शामिल हैं।

देश के पहले पशु विज्ञान विश्वविद्यालय का शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

6 मई, 2022 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में देश के पहले पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के भवन परिसर की आधारशिला रखी।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि देश में कहीं भी पशुओं का कोई विश्वविद्यालय नहीं था। पशुओं के नाम पर बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय पटना में बनाया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय को बनाने में लगभग 889 करोड़ रुपए लागत आएगी।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि बिहार में आठ से दस पंचायतों पर एक पशु अस्पताल का निर्माण होगा। इसे सात निश्चय-2 में ही डाला गया है, ताकि पशुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो। कोई भी पशु इलाज़ से वंचित न रहे।
- पशुओं के लिये चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ उनके टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, कृमिनाशक, डोर स्टेप डिलीवरी आदि कार्यों की व्यवस्था की जा रही है।

फिलो पोर्टल का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

6 मई, 2022 को बिहार के शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी ने पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में राजकीय माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में फिलो पोर्टल का शुभारंभ किया है।

प्रमुख बिंदु

- इस पोर्टल को विद्यालयों में अध्ययनरत् 9वीं से लेकर 12वीं कक्षा तक के 45 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों की सुविधा के लिये शुरू किया गया है, जिससे स्कूली शिक्षा में डिजिटल टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता के आधार पर बढ़ावा मिलेगा।
- इस पोर्टल के लिये शिक्षकों को शिक्षा में आवश्यकतानुसार डिजिटल टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के संबंध में प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।
- इस मौके पर विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था में डिजिटल टेक्नोलाजी का इस्तेमाल बढ़ाने के लिये इसी साल से सभी 9,360 माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में इंटरनेट और वाई-फाई की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध होगी।
- शिक्षा मंत्री ने प्रेक्षागृह में मौज़ूद शिक्षकों, छात्र-छात्राओं को 'फिलो' शब्द का अर्थ समझाते हुए कहा कि 'फिलो' एक ग्रीक शब्द है, जिसका अर्थ है- फ्रेंड यानी दोस्त।
- सरकार द्वारा सभी छात्र-छात्राओं को फिलो डिजिटल प्लेटफॉर्म नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया है। ऐप पर सवाल पूछते ही 60 सेकंड के अंदर छात्रों से ट्यूटर जुड़ेंगे और सवाल को हल करने के तरीके बताएंगे।
- उन्होंने कहा कि क्लासरूम के दायरे से बाहर जाकर छात्र-छात्राओं को फिलो डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रदान करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बन गया है।
- इस ऐप से बिहार बोर्ड की परीक्षा के लिये, बल्कि जेईई-मेन्स/नीट आदि की तैयारी भी कर सकते हैं।

महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामलों में बिहार का दूसरा स्थान

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 से संबंधित जारी की गई एक रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा के मामलों में बिहार, कर्नाटक (48%) के बाद दूसरे स्थान पर है, जबकि लक्षद्वीप में घरेलू हिंसा सबसे कम (2.1%) है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 रिपोर्ट में पाया गया है कि भारत में लगभग एक-तिहाई महिलाओं ने शारीरिक या यौन हिंसा का अनुभव किया है, जबकि देश में महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा 31.2% से घटकर 29.3% हो गई है।
- शारीरिक या यौन हिंसा का अनुभव करने वाली कुल महिलाओं में से केवल 14% महिलाओं ने इस मुद्दे को उठाया है।

नोट :

- महिलाओं के बीच शारीरिक हिंसा का अनुभव ग्रामीण क्षेत्रों (32%) में शहरी क्षेत्रों (24%) की तुलना में अधिक आम है।
- सर्वेक्षण में यह भी पाया गया है कि 32% विवाहित महिलाओं (18-49 वर्ष) ने शारीरिक, यौन या भावनात्मक वैवाहिक हिंसा का अनुभव किया है। वैवाहिक हिंसा का सबसे आम प्रकार शारीरिक हिंसा (28%) है, जिसके बाद भावनात्मक हिंसा और यौन हिंसा का स्थान आता है।

मशरूम उत्पादन में देश में नंबर 1 राज्य बना बिहार

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में जारी राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार बिहार वर्ष 2021-22 में 28,000 टन से ज़्यादा मशरूम उत्पादन कर देश में सबसे बड़ा मशरूम उत्पादक राज्य बन गया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार ने यह उपलब्धि ओडिशा को पीछे छोड़ते हुए हासिल की है। इससे पहले ओडिशा मशरूम उत्पादन में पहले स्थान पर था।
- राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2021-22 में बिहार में 28,000 टन से ज़्यादा मशरूम उत्पादन हुआ, जो देश में उत्पादित कुल मशरूम का 10.82 प्रतिशत है।
- पिछले वर्ष बिहार में 23,000 टन मशरूम का उत्पादन हुआ था, वहीं 3 वर्ष पहले राज्य मशरूम उत्पादन के मामले में 13वें पायदान पर था।
- बागवानी बोर्ड के आँकड़ों के अनुसार मशरूम उत्पादन में बिहार के बाद दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र है, जिसका कुल उत्पादन में 9.89 फीसदी हिस्सेदारी है। 9.66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ ओडिशा तीसरे स्थान पर है।

बिहार इन्वेस्टर समिट, 2022

चर्चा में क्यों ?

12 मई, 2022 को बिहार में निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से देश की राजधानी दिल्ली में बिहार इन्ववेस्टर समिट, 2022 का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- नई दिल्ली में आयोजित इस समिट का उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद तथा उद्योग मंत्री शाहनवाज़ हुसैन ने दीप प्रज्जवलित कर किया।
- इस समिट में देश की नामी-गिरामी 110 कंपनियों ने भाग लिया और राज्य में निवेश की इच्छा जताई। इसमें खाद्य प्रसंस्करण, मोबाइल निर्माण, एफएमसीजी, टेक्नोलॉजी और पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी कंपनियाँ शामिल हैं।
- इस अवसर पर बिहार के उद्योग मंत्री ने कहा कि इस समिट के ज़रिये सरकार बिहार में निवेश को प्रोत्साहित कर रही है। इस समिट को देश के अन्य प्रमुख शहरों में भी आयोजित किया जाएगा।
- दिल्ली के बाद मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद में इसी तरह के इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जाएगा। अंतिम समिट का आयोजन बिहार की राजधानी पटना में होगा, जिसमें कंपनियों से एमओयू साइन किया जाएगा।
- शाहनवाज़ हुसैन ने कहा कि सरकार प्लग एंड प्ले स्टेशन विकसित कर रही है, जहाँ निवेशक आकर सीधे काम शुरू कर सकेंगे। उन्हें भूमि अधिग्रहण करने और बिजली की कमी जैसी स्थितियों से गुज़रने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे निवेश में तेज़ी आएगी।
- उन्होंने कहा कि राज्य में पाँच लाख लीटर एथेनॉल की क्षमता का एक प्लांट आरा में बनकर तैयार हो चुका है। इसके अलावा तीन प्लांट तैयार हो चुके हैं, जबकि पाँच अन्य पर काम जारी है।
- राज्य में 16 एथेनॉल कंपनियों को काम करने की अनुमति दी गई है, जो विकास के विभिन्न चरणों में हैं और जल्द ही काम करना शुरू कर देंगी। इससे राज्य के किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

नोट :

पटना में 15 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले भवनों का होगा विद्युत सुरक्षा ऑडिट

चर्चा में क्यों ?

12 मई, 2022 को बिहार सरकार ने राजधानी पटना में 15 मीटर से अधिक ऊँचाई वाले सभी भवनों के विद्युत सुरक्षा ऑडिट का आदेश दिया। इसी तरह के ऑडिट बाद में राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में किये जाएंगे।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने यह फैसला विश्वेश्वरैया भवन में 11 मई को भीषण आग लगने के बाद लिया। विश्वेश्वरैया भवन एक विशाल बहुमंज़िला इमारत है, जिसमें सरकारी कार्यालयों सहित कई प्रमुख प्रतिष्ठान हैं।
- होमगार्ड एंड फायर सर्विसेज़ की महानिदेशक शोभा अहोटकर ने इस संबंध में बताया कि सुरक्षा ऑडिट के लिये फायर इंजीनियरिंग सलाहकारों को नियुक्त करने का भी फैसला किया गया है।
- ये विशेषज्ञ सरकारी भवनों का अग्नि सुरक्षा मूल्यांकन करेंगे और भविष्य के लिये सुरक्षा योजनाएँ भी प्रस्तुत करेंगे।
- महानिदेशक शोभा अहोटकर ने बताया कि जल्द ही शहर में विद्युत सुरक्षा ऑडिट करने के लिये कम-से-कम सात टीमों का गठन किया जाएगा।

गया का नाम 'गयाजी' रखने का प्रस्ताव पास

चर्चा में क्यों ?

13 मई, 2022 को गया नगर निगम के उपमेयर मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि गया का नाम 'गयाजी' रखने को लेकर नगर निगम ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके राज्य और भारत सरकार को आवेदन दिया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि 11 मई, 2022 को गया नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में गया का नाम बदलकर 'गयाजी' करने का प्रस्ताव पारित किया गया था।
- गया अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शहर है। सनातन धर्म में गया का काफी महत्त्व है। वहीं बोधगया में महात्मा बुद्ध की ज्ञानस्थली है। मोक्ष भूमि होने के कारण देश-विदेश से लोग यहाँ पिंडदान करने आते हैं।
- ऐतिहासिक रूप से गया प्राचीन मगध साम्राज्य का हिस्सा था। यह शहर फल्गु नदी के तट पर अवस्थित है और हिंदुओं के लिये मान्यता प्राप्त पवित्रतम स्थलों में से एक है।
- गया शहर के नामकरण के पीछे यह मान्यता है कि यहाँ भगवान विष्णु ने एक द्वंद्व में गयासुर का वध किया था। प्राचीन ग्रंथों में वर्णन है कि यहाँ स्वयं भगवान राम ने अपने पितरों का पिंडदान किया था।

गिराई जाएगी पटना कलेक्ट्रेट की 350 साल पुरानी इमारत

चर्चा में क्यों ?

13 मई, 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार की राजधानी पटना के कलेक्ट्रेट कार्यालय की 350 साल पुरानी इमारत गिराने की इजाजत दे दी।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (INTACH) की पटना इकाई ने इस इमारत को बचाने के लिये सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अंग्रेज़ राज की हर इमारत संरक्षण करने लायक नहीं है।
- इमारत गिराने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका में कहा गया था कि इमारत शहर की सांस्कृतिक विरासत का एक प्रमुख हिस्सा है। इसे गिराने की बजाय संरक्षित किया जाना चाहिए।

नोट :

- बिहार सरकार ने 31 जुलाई, 2019 को पटना कलेक्टर कार्यालय के इस जीर्ण-शीर्ण भवन को गिराने का फैसला कर आदेश जारी किये थे। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2020 में भवन में यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए थे।
- बिहार शहरी कला और विरासत आयोग ने 4 जून, 2020 को कलेक्ट्रेट परिसर को ध्वस्त करने की मंज़ूरी दी थी। 1972 में भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने बिहार में एक सर्वेक्षण किया था। उसने भी पटना के कलेक्ट्रेट को संरक्षित इमारत की सूची में शामिल नहीं किया था।
- उल्लेखनीय है कि इस इमारत का इस्तेमाल अंग्रेज़ अफीम और नमक के भंडारण के गोदाम के रूप में करते थे।

बिहार की सभी ग्राम पंचायतों की होगी अपनी वेबसाइट

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राज्य पंचायती राज विभाग ने प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिये व्यापक वेबसाइट विकसित करने हेतु बिहार राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (बेल्ट्रॉन), राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) और केंद्र सरकार के अन्य संस्थान से संपर्क किया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार के पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि विभाग को विभिन्न सरकारी एजेंसियों से कोटेशन मिलने के बाद सभी 8387 ग्राम पंचायतों की वेबसाइट विकसित करने की परियोजना शुरू हो जाएगी।
- वेबसाइटों में क्षेत्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों के विवरण के अलावा सभी जनसांख्यिकीय विवरण, ऐतिहासिक महत्त्व के स्थान, महत्त्वपूर्ण संस्थान शामिल हैं।
- वेबसाइटों को प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) और व्यापक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (सीएफएमएस) से लैस किया जाएगा, ताकि ग्राम पंचायतों में विकास और अन्य गतिविधियों पर खर्च किये गए फंड के लिये अधिक जवाबदेही लाई जा सके।
- ग्राम पंचायतों के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और अन्य पदाधिकारियों को वेबसाइटों को संभालने के लिये प्रशिक्षित किया जाएगा।

ई-संजीवनी पोर्टल

चर्चा में क्यों ?

19 मई, 2022 को बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि चौदह महीने में प्रदेश के करीब 13 लाख लोगों ने ई-संजीवनी पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- बिहार में ई-संजीवनी की शुरुआत फरवरी 2021 में हुई थी, तब से लेकर 30 अप्रैल, 2022 तक राज्य के सभी 38 ज़िलों में 12 लाख 89 हज़ार 602 लोगों ने ई-संजीवनी के माध्यम से टेलीमेडिसिन के द्वारा चिकित्सीय परामर्श लिया और अपना उपचार कराया है।
- ई-संजीवनी के दो भाग हैं- पहला ई-संजीवनी, दूसरा ई-संजीवनी ओपीडी। इन दोनों को ही सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग (सी-डैक) मोहाली द्वारा विकसित किया गया है।
- ई-संजीवनी, एक डॉक्टर से डॉक्टर टेलीमेडिसिन प्रणाली है, जिसे आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (AB-HWCs) कार्यक्रम के तहत लागू किया जा रहा है। यह दिसंबर 2022 तक हब-एंड-स्पोक मॉडल का उपयोग करके सभी 1,50,000 एचडब्ल्यूसी को जोड़ने का प्रयास करता है।
- ई-संजीवनी ओपीडी को रोगी-से-डॉक्टर टेली-परामर्श को सक्षम करने के लिये कोविड-19 पैंडेमिक के दौरान लॉन्च किया गया था।

नोट :

बिहार में लागू होगी ई-विधान प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

23 मई, 2022 को बिहार विधानसभा की लोक उपक्रम समिति के सभापति हरि नारायण सिंह ने शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश विधानसभा में स्थापित ई-विधान प्रणाली का जायजा लेने के बाद कहा कि ई-विधान प्रणाली को बिहार विधानसभा में भी लागू किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- ई-विधान प्रणाली में पेपरलेस विधानसभा का संचालन किया जाता है, जिसके अंतर्गत विधानसभा सत्र के दौरान पूछे जाने वाले सभी प्रश्नोत्तरों के आदान-प्रदान के साथ बजट की प्रस्तुति ऑनलाइन माध्यम से की जाती है।
- हिमाचल प्रदेश में ई-विधान प्रणाली की शुरुआत 4 अगस्त, 2014 को की गई थी, जिससे राज्य को 15 करोड़ रुपए वार्षिक की बचत हो रही है।
- उल्लेखनीय है कि बिहार विधानपरिषद 25 नवंबर, 2021 को पूरी तरह से नेवा प्लेटफॉर्म पर जाने वाला देश का पहला सदन बन गया, जिसके अंतर्गत पेपरलेस मोड में नेवा प्लेटफॉर्म पर शीतकालीन सत्र, 2021 का आयोजन किया गया।

बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति (वस्त्र व चर्म), 2022

चर्चा में क्यों ?

26 मई, 2022 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति (वस्त्र व चर्म), 2022 को लागू करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति सहित कुल 18 प्रस्ताव स्वीकृत किये गए।
- प्रदेश के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि इस नीति के माध्यम से बिहार वस्त्र व चर्म उद्योग के क्षेत्र में एक हब के रूप में स्थापित होगा।
- बिहार में वस्त्र व चर्म उद्योग में निवेश करने के इच्छुक उद्यमियों और निवेशकों को राज्य सरकार 10 करोड़ रुपए तक का अनुदान देगी।
- इसके अलावा इन उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को सरकार प्रत्येक महीने तीन हज़ार से लेकर पाँच हज़ार रुपए तक का वेतन सहयोग भी देगी।

बिहार के दो स्थानों पर बनेगा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में बिहार की बिजली कंपनी द्वारा बिहार में दो स्थानों फुलवरिया व दुर्गावती पर फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगाए जाने की योजना बनाई गई है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार फुलवरिया में 20 मेगावाट व दुर्गावती में 30 मेगावाट क्षमता का प्रस्तावित प्लांट नवादा के फुलवरिया डैम रजौली के समीप है। नवादा से इसकी दूरी 30 किमी. के करीब है। इस डैम में 20 मेगावाट के फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगाए जाने की योजना है।
- कैमूर ज़िले में स्थित दुर्गावती डैम में 30 मेगावाट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगाया जाएगा। इस डैम की ऊँचाई 46.3 मीटर है और लंबाई लगभग 1615.4 मीटर है।
- गौरतलब है कि हाल ही में दरभंगा में बिहार के पहले फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का उद्घाटन हुआ था। इसकी क्षमता दो मेगावाट है। इसे बिहार रिन्यूएबल इनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (ब्रेडा) की देखरेख में तैयार किया गया है।

नोट :

- हाल ही में बिजली कंपनी ने भारतीय सौर ऊर्जा निगम के साथ 210 मेगावाट बिजली क्रय का करार किया है। अगले वर्ष के आखिर तक यह बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। इससे 630 मिलियन टन कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी।
- इसी तरह सतलज जलविद्युत निगम के साथ 200 मेगावाट बिजली क्रय के लिये बिजली कंपनी ने करार किया है। यह बिजली भी अगले वर्ष के आखिर में मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके तहत जमुई में 175 तथा बाँका में 25 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा उत्पादन इकाई लगेगी।

बिहार सरकार ने दी जमुई ज़िले में देश के सबसे बड़े सोने के भंडार की खोज़ की अनुमति

चर्चा में क्यों ?

28 मई, 2022 को बिहार के अतिरिक्त मुख्य सचिव सह-खान आयुक्त हरजोत कौर बम्हरा ने बताया कि बिहार सरकार ने जमुई ज़िले में देश के सबसे बड़े सोने के भंडार की खोज़ के लिये अनुमति देने का फैसला किया है।

प्रमुख बिंदु

- हरजोत कौर बम्हरा ने बताया कि राज्य का खान और भूविज्ञान विभाग जमुई में सोने के भंडार की खोज़ के लिये जीएसआई और राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) सहित अन्वेषण में लगी एजेंसियों के साथ परामर्श कर रहा है।
- उन्होंने कहा कि जीएसआई के निष्कर्षों का विश्लेषण करने के बाद परामर्श प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमें जमुई ज़िले में करमाटिया, झाझा और सोनो जैसे क्षेत्रों में सोने की उपस्थिति का संकेत मिला था।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के अनुसार, जमुई ज़िले में 37.6 टन खनिजयुक्त अयस्क सहित लगभग 222.88 मिलियन टन सोने का भंडार मौज़ूद है।
- राज्य सरकार द्वारा एक महीने के भीतर जी3 (प्रारंभिक) चरण की खोज़ के लिये एक केंद्रीय एजेंसी या एजेंसियों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में, जी2 (सामान्य) अन्वेषण भी किया जा सकता है।
- केंद्रीय खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पिछले साल लोकसभा को बताया था कि बिहार के पास भारत के सोने के भंडार में सबसे ज़्यादा हिस्सेदारी है। एक लिखित जवाब में उन्होंने कहा था कि बिहार में 222.885 मिलियन टन सोना धातु है, जो देश के कुल सोने के भंडार का 44% है।
- नेशनल मिनरल इन्वेंटरी के अनुसार, देश में 1.4.2015 को प्राथमिक स्वर्ण अयस्क के कुल संसाधन 654.74 टन स्वर्ण धातु के साथ 501.83 मिलियन टन होने का अनुमान है और इसमें से बिहार में 222.885 मिलियन टन मौजूद है।

बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

30 मई, 2022 को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में कवयित्री सागरिका राय के काव्य-संग्रह 'अनहद-स्वर' का लोकार्पण हुआ।

प्रमुख बिंदु

- बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन एक हिन्दी सेवी संस्था है, जिसकी स्थापना 19 अक्टूबर, 1919 को मुज़फ्फरपुर में हुई थी।
- इसकी स्थापना में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के साथ श्रीयुत जगन्नाथ प्रसाद की विशेष भूमिका रही है।
- स्थापना से लेकर 1935 तक इसका मुख्यालय मुजफ्फरपुर में था, किंतु 1935 में इसके मुख्यालय को पटना स्थानांतरित कर दिया गया।
- उल्लेखनीय है कि बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन का 41वाँ महाधिवेशन आंचलिक कथाकार रेणु को याद करते हुए बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सभागार कदम कुआँ पटना में 2 और 3 अप्रैल को आयोजित किया गया।
- इस अधिवेशन में मिर्ज़ा गालिब कॉलेज, गया के हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. जियाउर रहमान ज़ाफरी को उनकी प्रसिद्ध किताब 'गज़ल लेखन परंपरा और हिन्दी गज़ल का विकास' के लिये सम्मानित किया गया।

नोट :